

चन्ना भारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

वाधिकार से वकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

HO 243

नई विस्ली, मंगलवार, मई 28, 1974/ण्येष्ठ 7, 1896

No. 2431

NEW DELHI, TUESDAY, MAY 28, 1974/JYAISTHA 7, 1896

इस भाग में भिन्न पष्ट संख्या वी वाती है जिससे कि यह अवग संकलन के रूप में रखा का सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF HEAVY INDUSTRY

ORDER

New Delhi, the 28th May 1974

S.O. 327(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development and Internal Trade (Department of Industrial Development) No. S.O. 1072, dated the 6th March, 1971, the Management of the industrial undertaking known as Messrs Braithwaite and Company (India) Limited, Calcutta (hereinafter in this Order referred to as the industrial undertaking) has been taken over under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years commencing from the 6th day of March, 1971;

And whereas the Government of India is satisfied that it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production in a scheduled industry, namely, Railway Rolling Stocks:

Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (i) of section 18-FB of the said Act, the Central Government hereby declares that all or any of the rights, privileges, obligation and liabilities accruing or arising thereunder shall remain suspended from the date of issue of this Order.

The Order shall remain in force for a period of one year commencing from the date of its publication in the Official Gazette.

[No. 1/53/71-HM-III]

S. M. GHOSH, Jt. Secy.

भारो उसीत संशालय

प्रादेश

नई दिल्ली, 28 मई, 1974

का॰ झा॰ 327 (घ) ---यतः भारत सरकार के भीखोगिक विकास धीर मान्तरिक व्यापार (भौद्योगिक विकास विभाग) के धादेश सं० का० घा० 1027 तारीख 6 मार्च, 1971 द्वारा मैससे बेथ ह्याइट एण्ड कम्पनी (इण्डिया) लि.मिटेड, कलकत्ता (जिसे इस धावेश में उक्त धौधोगिक उपकम कहा गया है) के नाम से ज्ञात भौद्योगिक उपक्रम का प्रवन्ध, उद्योग (विकास धौर विनियमन) भिध-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क के प्रधीन 6 मार्च, 1971 से प्रारम्भ होने वाली 5 वर्षे की धवधि के लिए यहण कर लिया गया है ;

और यत: भारत सरकार का समाधान हो गया है कि अनसाधारण के हित में अनुसूचित उच्चीय, थर्पात् रेलवे रौसिंग स्टाक की माला के उत्पादन में कमी रोगने की विष्ट से ऐसा करना धावस्थक है :

भतः, भव, केम्प्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 18च ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषित करती है कि तद्धीन प्रोद्रभृत या उद्भुत होने वाले सभी या उनमें से कोई अधिकार, विशेष धिकार, बाध्यता भीर दायित्व इस भादेश के जारी किए जाने की तारीख से निसम्बत रहेगा ;

यह भादेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रारम्म होने वाली एक धर्ष की भ्रवधि पर्यन्त प्रदुस रहेगा।

> [सं॰ 1/53/71-एच एम-III] एस० एम० घोष, संगुक्त सुंस्थिय।